

# योएल का ग्रंथ और लाओदीकियाई सप्तम-दिवसीय एडवेंटिस्ट कलीसिया - संख्या बयालीस

Jeff Pippenger

2026-02-09

## संख्या बयालीस

जब लैव्यव्यवस्था तेईस को बाईस पदों की दो समान रेखाओं में विभाजित किया जाता है और उसे मसीह की उस रेखा के साथ संयोजित किया जाता है जहाँ वसन्त के पर्व अपने प्रतिरूप से मिले थे, तब हम ऐसी रेखा प्रदर्शित कर सकते हैं जो तीन चरणों से आरम्भ होती है—शुक्रवार की सन्ध्या का फसह, सब्त के दिन अखमीरी रोटी का पर्व, और सप्ताह के प्रथम दिन पहिलौठे फल का पर्व। यह एक मार्गचिन्ह है, जैसा कि मसीह के बपतिस्मा द्वारा निरूपित है, परन्तु उस एक मार्गचिन्ह के तीन चरण हैं।

जब हम पुनरुत्थान से आरंभ कर चालीस दिन आगे बढ़ते हैं, तब हम एक निर्णायक मोड़ पर पहुँचते हैं, क्योंकि उसी समय मसीह ने प्रत्यक्ष रूप से शिक्षा देना समाप्त किया और बादलों में आरोहित हुए। एक लाख चवालीस हज़ार भी बादलों में आरोहित होते हैं।

और उन्होंने स्वर्ग से एक बड़ी आवाज़ सुनी, जो उनसे कहती थी, “यहाँ ऊपर आओ।” और वे बादल में होकर स्वर्ग पर चढ़ गए; और उनके शत्रु उन्हें देखते रहे। और उसी घड़ी एक बड़ा भूकम्प हुआ, और नगर का दसवाँ भाग गिर पड़ा, और उस भूकम्प में सात हज़ार मनुष्य मारे गए; और जो शेष रह गए थे, वे भय से भर गए, और उन्होंने स्वर्ग के परमेश्वर को महिमा दी। दूसरा हाय बीत गया; देखो, तीसरा हाय शीघ्र आता है। फिर सातवें स्वर्गदूत ने नरसिंगा फूँका; और स्वर्ग में बड़ी-बड़ी आवाज़ें हुईं, जो कहती थीं, “जगत के राज्य हमारे प्रभु और उसके मसीह के राज्य हो गए हैं; और वह युगानुयुग राज्य करेगा।” प्रकाशितवाक्य 11:12-15.

दूसरा और तीसरा हाय इस्लाम हैं, और सातवाँ स्वर्गदूत तीसरा हाय है, जो कि पुनः इस्लाम ही है। तीसरा हाय भूकंप के समय शीघ्र आ पहुँचता है। वह भूकंप संयुक्त राज्य अमेरिका में रविवार का कानून है; संयुक्त राज्य अमेरिका प्रकाशितवाक्य तेरह का पृथ्वी का पशु है, और रविवार का कानून वह कंप है, जो कि भूकंप है। पृथ्वी का पशु दस राजाओं में प्रधान राजा है, और जब रविवार के कानून पर संयुक्त राज्य अमेरिका उलट दिया जाएगा, तब नगर का दसवाँ भाग गिर चुका होगा। उसी घड़ी, रविवार के कानून की घड़ी में, एलिय्याह और मूसा द्वारा निरूपित दो गवाह—वही दो गवाह जो मसीह के साथ रूपांतरित होकर पतरस, याकूब और यूहन्ना के सम्मुख प्रकट हुए थे—एक बादल में स्वर्ग पर उठा लिए जाते हैं, और सब उन्हें देखते हैं, क्योंकि उनके शत्रुओं ने उन्हें देखा।

पुनरुत्थान के चालीस दिन बाद यीशु बादलों में "स्वर्गरोहित" हुए, और ऊपरी कोठरी में दस दिनों का आरम्भ हुआ। स्वर्गरोहण एक दृश्य परीक्षा है, जैसा कि तीन स्वर्गदूतों में से दूसरा भी है। अपने स्वर्गरोहण के समय स्वर्गदूतों ने कहा कि वह बादलों सहित लौटेंगे, जैसे वह अभी-अभी बादलों सहित स्वर्गरोहित हुए थे।

और जब वह ये बातें कह चुका, तो वे देखते ही रहे कि वह ऊपर उठा लिया गया; और एक बादल ने उसे उनकी दृष्टि से ओझल कर दिया। और जब वह ऊपर जा रहा था, तब वे एकटक स्वर्ग की ओर निहार रहे थे; और देखो, श्वेत वस्त्र पहने दो पुरुष उनके पास आ खड़े हुए; जिन्होंने कहा, 'हे गलील के पुरुषो, तुम स्वर्ग की ओर निहारते क्यों खड़े हो? यही यीशु, जो तुम्हारे पास से स्वर्ग में उठा लिया गया है, उसी प्रकार आएगा, जैसे तुमने उसे स्वर्ग में जाते हुए देखा है।' प्रेरितों के काम 1:9-11.

अपने द्वितीय आगमन में वे अपने राज्य की 'महिमा' में पुनरागमन करते हैं।

अतएव जो कोई इस व्यभिचारी और पापी पीढ़ी में मुझसे और मेरे वचनों से लज्जित होगा, उससे मनुष्य का पुत्र भी लज्जित होगा, जब वह अपने पिता की महिमा में पवित्र स्वर्गदूतों के साथ आएगा। मरकुस 8:38.

यही वही "महिमा" है जिसे पतरस, याकूब और यूहन्ना ने रूपान्तरण के पर्वत पर देखा था। रूपान्तरण का पर्वत भी दूसरा चरण था, जिसके पहले कैसरिया फिलिप्पी और जिसके बाद कैसरिया मैरितिमा थे। दूसरा परीक्षण "पशु की प्रतिमा" का परीक्षण भी है, ऐसा परीक्षण जो इस भविष्यवाणीगत पहचान की अपेक्षा करता है कि "पशु की प्रतिमा" बन रही है। दूसरा परीक्षण यह भी है कि मेलज़ार दानिय्येल और उसके साथियों का निरीक्षण करता है, ताकि उनकी मुखाकृतियों की तुलना उन लोगों से करे जिन्होंने दलहन नहीं खाया। यह एक दृश्य परीक्षण है। अब्राहम की वाचा-इतिहास के तीन वाचा-चरणों में दूसरा चरण खतना का "चिन्ह" था। दूसरा चरण परमेश्वर की प्रजा की मुहरबंदी का प्रतिनिधित्व करता है, जब उन्हें ध्वज के समान ऊँचा उठाया जाता है। दूसरा चरण वही है जहाँ "महिमा" प्रकट होती है, क्योंकि प्रथम स्वर्गदूत के तीन चरण हैं: भय, "महिमा" और न्याय। पिन्तेकुस्त के काल का चालीसवाँ दिन रूपान्तरण के पर्वत से मेल खाता है। अपने जूते उतारो, क्योंकि तुम पवित्र भूमि पर खड़े हो।

स्वर्गरोहण एक दृशात्मक परीक्षा है, और उत्सवों की श्रृंखला में, चालीसवें दिन निर्धारित स्वर्गरोहण से पाँच दिन पूर्व तुरहियों का पर्व आता है। तुरहियों का पर्व सातवीं तुरही की चेतावनी को चिन्हित करता है, जो इस्लाम के विषय में चेतावनी है।

आरोहण, नरसिंगों के पाँच दिन पश्चात् आता है, और फिर आरोहण के पाँच दिन बाद प्रायश्चित्त का दिन न्याय को चिन्हित करता है। नरसिंगा प्राचीन मार्ग है; वह लाओदीकिया का संदेश है; वह इस्लाम है; और वह प्रथम स्वर्गदूत का आधारभूत संदेश है। पाँच दिन बाद, जब 'आमने-सामने' की शिक्षा समाप्त होती है, तब दूसरे स्वर्गदूत की दृश्य दूसरी परीक्षा आरोहण द्वारा चिन्हित होती है। उसके पाँच दिन पश्चात्, न्याय तीसरे स्वर्गदूत को चिन्हित करता है।

परमेश्वर के घराने पर न्याय के समाप्त हो जाने के पाँच दिन पश्चात्, पिन्तेकुस्त के दिवस द्वारा चिन्हित समय पर, संयुक्त राज्य अमेरिका पर न्याय आता है।

और उसने अब्राहम से कहा, निश्चय जान कि तेरी सन्तान ऐसे देश में परदेशी होगी जो उनका नहीं है, और वे उनकी सेवा करेंगे; और वे लोग उन्हें चार सौ वर्ष तक सताएँगे; और जिस राष्ट्र की वे सेवा करेंगे, उस पर मैं न्याय करूँगा; और उसके बाद वे बड़ी सम्पत्ति सहित निकल आएँगे। उत्पत्ति 15:13, 14.

रविवार के क्रानून के समय—जब संयुक्त राज्य अमेरिका के 'राष्ट्र' का न्याय होता है—एक लाख चवालीस हज़ार के पास जो 'महान सार-तत्व' है, वही यशायाह के छठे अध्याय का सार-तत्व है, जो दैवत्व का प्रतिनिधित्व करता है। अब्राहम की वाचा-सम्बन्धी भविष्यवाणी कहती है, 'उस राष्ट्र को भी', और इस प्रकार यह स्पष्ट करती है कि परमेश्वर की प्रजा पर रविवार के क्रानून से पूर्व ही मुहर कर दी जाती है। तब रविवार के क्रानून के समय, जो मण्डपों के पर्व के सात दिनों द्वारा निरूपित एक अवधि है, पश्चात-वर्षा अपरिमित रीति से उंडेली जाती है, उसी समय जब परमेश्वर के घर के बाहर स्थित महान जनसमूह पर न्याय पूरा किया जाता है।

18 जुलाई, 2020 को सदोम और मिस्र की सड़कों पर दो गवाहों का वध किया गया। वे दो गवाह मूसा और एलिय्याह थे, और विलियम मिलर अपने इतिहास का एलिय्याह था। अपने स्वप्न में उसने क्षणभर के लिए आँखें मूँद लीं, और 18 जुलाई, 2020 को उसने भविष्यसूचक रीति से मृत्यु में अपनी आँखें मूँद लीं। जब उसने आँखें खोलीं, तो कक्ष रिक्त था, एक द्वार और खिड़कियाँ खुली थीं। तब मिलर ने, धूल-ब्रश वाले मनुष्य द्वारा संपन्न हो रहा कार्य देखकर, उससे विनती की कि वह सावधानी बरते, और उस धूल-ब्रश वाले मनुष्य ने उसे आश्चर्य किया कि सब कुछ ठीक हो जाएगा।

जब मिलर जुलाई 2023 में वन्य प्रदेश में जाग उठा, तब खमीर-रहित रोटियों का पर्व आ पहुँचा, ठीक 31 दिसम्बर 2023 के पुनरुत्थान से पहले। उसी समय—सत्य मध्यरात्रि के आह्वान का भविष्यवाणी-संदेश, वह "पुकार" जिसका प्रतिरूप अब तक अमुहरित हुए प्रत्येक अन्य भविष्यवाणी-संदेश ने प्रस्तुत किया था, अमुहरित होने लगा, क्योंकि साढ़े तीन दिनों का अंत एक "अन्त के समय" को चिन्हित करता है, और "अन्त के समय" में सदैव एक

भविष्यवाणी-संबंधी मुहर-खुलना होता है। यह सदैव ऐसा ही होता है, क्योंकि मसीह कल, आज और युगानुयुग एक ही है। मनुष्यों के साथ उसके व्यवहार सदा एक से हैं, क्योंकि वह अब भी उन्हीं "रेखाओं" पर कार्य करता है, जिन पर वह सदा करता आया है। साढ़े तीन दिनों के अंत में यीशु मसीह का प्रकाशितवाक्य अमुहरित हुआ।

पुनरुत्थित देह का पूर्वचित्र आदम में था, जो पहले रचा गया और फिर उसमें जीवन-श्वास फूँकी गई। यहजेकल 37 की मृत, सूखी हड्डियाँ भी पहले एक भविष्यवाणी द्वारा गठित की गई, और उसके पश्चात् दूसरी भविष्यवाणी द्वारा—जो चारों पवनों के संदेश, अर्थात् मुहरबंदी के संदेश, के द्वारा उस निर्जीव देह में जीवन-श्वास लाती है—उन्हें जीवित किया गया। दोनों दृष्टान्तों में खोली गई भविष्यवाणी दो भागों में है, जिन्हें विभिन्न प्रकार से प्रस्तुत किया गया है। वे आंतरिक और बाह्य हैं; वे ऊलाई और हिदेकेल नदियों का दर्शन हैं; वे हाज़ोन और मारेह के दर्शन हैं; वे दो साक्षी, दो सोने की नलिकाएँ, आदि हैं।

मिलरवादी इतिहास में, मध्यरात्रि का आह्वान वह भविष्यवाणी थी जो दूसरे स्वर्गदूत की भविष्यवाणी के साथ संयुक्त हुई। यह एक द्वि-चरणीय भविष्यवाणी थी। जब मृत सूखी हड्डियाँ सन् 2023 में पुनरुत्थित हुईं, तो भविष्यसूचक अनिवार्यता के अनुसार उनका परीक्षण किया जाना आवश्यक था, क्योंकि किसी भविष्यवाणी का उन्मोचन सदैव तीन-चरणीय परीक्षा-प्रक्रिया का आरम्भ करता है। प्रथम दो परीक्षाएँ—पहली आधारभूत परीक्षा, और फिर मंदिर की परीक्षा—होंगी।

पुनरुत्थान के पाँच दिन बाद—वह "मरुभूमि में पुकारनेवाली वाणी", जिसका प्रतिनिधित्व खमीररहित रोटी के दिनों द्वारा होता है—समाप्त हो जाती है; क्योंकि एलिय्याह, जिसका प्रतिनिधित्व मिलर और यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाला करते हैं, दोनों ने उस एक के लिए मार्ग तैयार किया जिनके जूते उठाने के योग्य भी वे न थे। पुनरुत्थान पर, यीशु ने चालीस दिनों के लिए "आमने-सामने" शिक्षा का काल आरम्भ किया। वही "आमने-सामने" शिक्षा दानिय्येल के लिए अध्याय दस में बाईसवें दिन आरम्भ होती है। वहाँ इसे तीन चरणों और तीन स्पर्शों के रूप में निरूपित किया गया है, साथ ही "बलवन्त होने" के दोहरे उल्लेख के साथ।

चालीस दिनों के पूर्ण होने से पाँच दिन पूर्व, इस्लाम की तुरही की चेतावनी ध्वनित होती है। इस्लाम की चेतावनी का प्रतीक वह गधा था, जिस पर मसीह ने यरूशलेम में अपने विजय-प्रवेश के समय सवारी की। यरूशलेम की ओर जैतून के पहाड़ की ढलानों से नीचे उतरने से पूर्व, उन्होंने सर्वप्रथम अपने चेलों को यह आज्ञा दी कि वे जाकर उस गधे को खोल दें।

यह दर्शन 1847 में दिया गया था, जब एडवेंट के भाई-बंधुओं में से बहुत ही कम लोग विश्रामदिन का पालन कर रहे थे, और उनमें से भी बहुत कम यह मानते थे कि उसका पालन इतना महत्वपूर्ण है कि वह परमेश्वर की प्रजा और अविश्वासियों के बीच एक रेखा खींच दे। अब उस दर्शन की पूर्ति दिखाई देने लगी है। यहां उल्लिखित 'उस क्लेश के समय का आरम्भ' का अभिप्राय उन विपत्तियों के उंडेले जाने के समय से नहीं है, वरन् उनसे ठीक पहले की थोड़ी अवधि से है, जब मसीह पवित्रस्थान में होंगे। उसी समय, जब उद्धार का कार्य समापन पर होगा, पृथ्वी पर क्लेश आएँगे, और जातियाँ क्रोधित होंगी, तो भी उन्हें रोके रखा जाएगा ताकि तीसरे स्वर्गदूत के कार्य में बाधा न पड़े। उसी समय 'परवर्षा,' अथवा प्रभु की उपस्थिति से आनेवाली ताज़गी, आएगी, ताकि तीसरे स्वर्गदूत के उच्च स्वर को शक्ति मिले, और पवित्र जन उस काल में स्थिर रहने के लिए तैयार हों, जब अन्तिम सात विपत्तियाँ उंडेली जाएँगी। Early Writings, 85.

9/11 पर उसने अपने स्वर्गदूतों को गदहे को खोल देने की आज्ञा दी, और तत्पश्चात् जॉर्ज बुश, कनिष्ठ ने उस गदहे को रोक लिया। कुरूश प्रथम स्वर्गदूत का प्रतिरूप है, क्योंकि उसी ने प्रथम फ़रमान की घोषणा की। अतः वह 11 अगस्त, 1840 और 9/11 दोनों का प्रतिनिधित्व करता है; और 9/11 पर, "राष्ट्रों के क्रोधित होने" के रूप में निरूपित इस्लाम को छोड़ दिया गया, और फिर उसे नियंत्रित कर रोक दिया गया। उसी समय उत्तरकालीन वर्षा बरसना आरम्भ हुई। कुरूश 11 अगस्त, 1840 और 9/11 पर इस्लाम के दोनों मार्गचिह्नों का प्रतिनिधित्व करता है।

तीन सप्ताह तक गब्रिएल ने अंधकार की शक्तियों से संघर्ष किया, कुरूश के मन पर कार्यरत प्रभावों को निष्फल करने का प्रयत्न करते हुए; और संघर्ष समाप्त होने से पूर्व, मसीह स्वयं गब्रिएल की सहायता के लिए आए। 'पारस के राज्य के प्रधान ने मुझे इक्कीस दिन तक रोके रखा,' गब्रिएल घोषित करता है; 'परन्तु देखो, मीकाएल, जो प्रधान सरदारों में से एक है, मेरी सहायता के लिए आया; और मैं वहाँ पारस के राजाओं के साथ ठहरा रहा।' दानियेल 10:13। परमेश्वर की प्रजा के पक्ष में स्वर्ग जो कुछ कर सकता था, वह सब किया गया। अन्ततः विजय प्राप्त हुई; शत्रु की शक्तियों को कुरूश के सब दिनों में, और उसके पुत्र कम्बाइसिस के सब दिनों में—जिसने लगभग साढ़े सात वर्ष राज्य किया—अंकुश में रखा गया। भविष्यद्वक्ता और राजा, 571.

साइरस के समय में, और 11 अगस्त, 1840 को, जब, जैसा कि अग्रदूतों ने व्यक्त किया, उस्मानी सर्वोच्चता का अंत हुआ, दूसरे हाथ का इस्लाम निरोधित किया गया था। यह संयम तीन सौ इक्यानबे वर्ष और पंद्रह दिनों की काल-भविष्यवाणी के समापन का चिह्न था; यह तब आरंभ हुई जब चार स्वर्गदूत, जो चार इस्लामी सुल्तानों का प्रतिनिधित्व करते थे, छठे स्वर्गदूत द्वारा मुक्त किए गए, जो इस्लाम के तीन हाथों में से दूसरे हाथ का प्रतिनिधि था। 9/11 को इस्लाम ने प्रहार किया और तत्पश्चात् उसे निरोधित कर दिया गया, जैसा कि साइरस के इतिहास और 1840 के इतिहास में संयम द्वारा निरूपित है। वे तीनों साक्षी इस्लाम के निरोधन या विमोचन की पहचान कराते हैं, और मसीह के विजय-प्रवेश के आरंभ में गदहे को बंधन से मुक्त किया गया।

उसके विजय-प्रवेश से पहले गधे का बन्धनमुक्त किया जाना उस तुरही-संदेश को इंगित करता है जो स्वर्गारोहण से पाँच दिन पूर्व आता है। इस्लाम के फिर से मुक्त किए जाने का संदेश—जैसा कि 9/11 पर हुआ था, और जैसा कि पन्द्रह दिन बाद रविवार के क़ानून, जो पिन्नेकुस्त है, पर फिर से मुक्त किया जाएगा—वही वह संदेश है जो मध्यरात्रि की पुकार के आरम्भ को चिह्नित करता है। गधे का बन्धनमुक्त किया जाना मध्यरात्रि की पुकार के संदेश की घोषणा के आरम्भ अथवा अल्फा को चिह्नित करता है; और रविवार के क़ानून पर, जहाँ मध्यरात्रि की पुकार तेज पुकार में परिवर्तित होती है, इस्लाम पुनः पृथ्वी के पशु पर प्रहार करता है।

आधी रात की पुकार की अवधि इस्लाम के एक अल्फा आघात से आरंभ होती है और इस्लाम के एक ओमेगा आघात पर समाप्त होती है। संयुक्त राज्य अमेरिका पर इस्लाम के आघात बिलाम और उसकी गदही के साक्ष्य में प्रतिरूपित हैं, जो निस्संदेह गिनती अध्याय 22 में प्रतिपादित है। पृथ्वी के पशु के प्रोटेस्टेंट सींग के रूप में लाओदीकियाई सातवें दिन की एडवेंटिस्ट कलीसिया की परिणति यशायाह 22:22 (आंतरिक) में, और गणतांत्रिक सींग की परिणति गिनती 22:22 (बाह्य) तथा आगे में प्रतिपादित है।

और क्योंकि वह गया था, इस कारण परमेश्वर का क्रोध भड़क उठा; और प्रभु का दूत उसके विरोधी के रूप में मार्ग में खड़ा हो गया। अब वह अपनी गधी पर सवार था, और उसके दो दास उसके साथ थे।

और गधी ने प्रभु के दूत को मार्ग में खड़ा देखा, और उसके हाथ में खींची हुई तलवार थी; तब गधी मार्ग से हटकर खेत में चली गई; और बिलाम ने उसे मार्ग पर लौटा देने के लिए पीटा। गिनती 22:22, 23.

9/11 के समय, झूठा भविष्यद्वक्ता बिलाम, जो संयुक्त राज्य और जॉर्ज बुश कनिष्ठ का प्रतिनिधित्व करता है, उस कार्य को पूरा करने का प्रयत्न कर रहा था जिसे उसके पिता जॉर्ज बुश वरिष्ठ ने आरम्भ किया था, अर्थात् संयुक्त राज्य को उखाड़ फेंकने और जिसको वह 'नई विश्व व्यवस्था' कहता था, उसे लागू करने के लिए वैश्विकतावादियों के प्रयास में। वैश्विकतावादियों की बाइबिलीय प्रेरणा यह है कि वे परमेश्वर की शेष प्रजा का वध करें, और जॉर्ज बुश कनिष्ठ, अपने पिता की उस भविष्यसूचक विरासत के अन्त का निरूपण करता है जिसके द्वारा, जैसा कि वह इसे कहता था, 'नई विश्व व्यवस्था' का आरम्भ कराया गया था। बुश की 'नई विश्व व्यवस्था' रविवार के कानून के समय अजगर, पशु और झूठे भविष्यद्वक्ता की त्रिगुणी एकता में आकर परिणत होती है, और जॉर्ज बुश कनिष्ठ उस कालावधि के आरम्भ का चिह्न है जिसकी परिणति रविवार के कानून पर होती है, जो मुहरबन्दी का समय, पशु की प्रतिमा का परीक्षा-काल, प्रकाशितवाक्य अध्याय अठारह की प्रथम वाणी द्वारा निरूपित काल, और भी बहुत कुछ है। बिलाम की गधी वैश्विकतावादियों के एजेंडा को एक ओर मोड़ देती है, जब तक कि एक लाख चवालीस हज़ार के

ललाटों पर मुहर न लग जाए।

आसाफ का गीत अथवा भजन। हे परमेश्वर, तू मौन न रह; तू चुप न रह, और हे परमेश्वर, तू निश्चेष्ट न रह। क्योंकि देख, तेरे शत्रु कोलाहल कर रहे हैं; और जो तुझ से बैर रखते हैं, सिर उठा चुके हैं। उन्होंने तेरे लोगों के विरुद्ध कपटपूर्ण मंत्रणा की है, और तेरे छिपाए हुए जनों के विरुद्ध परामर्श किया है। उन्होंने कहा, आओ, हम उन्हें जाति होने से मिटा दें, ताकि इस्राएल का नाम फिर स्मरण में न रहे। क्योंकि उन्होंने एक मन होकर साथ परामर्श किया है; वे तेरे विरुद्ध संधिबद्ध हो गए हैं। भजन संहिता 83:1-5.

पद 6 और आगे 'शत्रुओं' की पहचान 'दस' राष्ट्रों के रूप में करते हैं, जो प्रकाशितवाक्य सत्रह में दस राजाओं के रूप में निरूपित हैं। वहाँ वे दस राजा एक ही मन के हैं, परन्तु आसाफ कहता है, "उन्होंने एक मन होकर सम्मति से परामर्श किया है; वे तेरे विरुद्ध एकजुट हुए हैं।" वे दस राजा अन्तिम दिनों का वैश्विकतावादी दुष्ट गठबंधन हैं, जिन्होंने 'इस्राएल'—'तेरे गुप्त जन'—को 'एक राष्ट्र होने' से 'काट देने' का निश्चय किया है। उन दस राजाओं के उस गठबंधन का कार्य, जो 'पापाई सत्ता' को त्रिगुनी एकता के 'शीर्ष' के रूप में 'ऊँचा उठाते हैं', आत्मिक 'इस्राएल' का नाश करना है, जो 'परमप्रधान के गुप्त स्थान' में छिपे हुए हैं।

9/11 के समय इस्लाम के गधे ने अजगर के मंसूबे को उसकी राह से भटका दिया, क्योंकि प्रकाशितवाक्य 18 का पराक्रमी स्वर्गदूत अपने हाथ में तलवार लिए उतर आया। तब आंतरिक परीक्षा यह थी कि प्राचीन मार्गों पर लौटा जाए। उसी बिंदु पर, प्रथम और द्वितीय दोनों स्वर्गदूतों के मिलरवादी इतिहासों की पुनरावृत्ति, प्रकाशितवाक्य 18 के पहले तीन पदों के इतिहास में जिस प्रकार प्रतिपादित है, आरंभ हुई। वे पहले तीन पद वे ही हैं, जिनके विषय में बहन व्हाइट ने कहा था कि जब न्यूयॉर्क नगर की महान इमारतें गिरा दी जाएँगी, तब उनकी परिपूर्ति होगी।

9/11 को प्रकाशितवाक्य 18:1-3 की पूर्ति हुई, और 11 अगस्त, 1840 को अपनी महिमा से पृथ्वी को आलोकित करने के लिए उतरने वाले प्रथम स्वर्गदूत का जो समानांतर था, उसके साथ तब वह दूसरा स्वर्गदूत भी जुड़ गया, जिसने बाबुल के पतन की घोषणा की। बिलाम प्रथम स्वर्गदूत का प्रतीक था, और बिलाम के साथ उसके दो सेवक थे, जो दूसरे स्वर्गदूत का प्रतिनिधित्व करते थे।

झूठे नबी के रिपब्लिकन सींग का निरूपण करने वाले बिलआम के दृष्टान्त में, बिलआम की इस्लाम के गधे के साथ दो और मुठभेड़ें होनी थीं। तीसरी मुठभेड़ में गधा "बोलेगा", और भविष्यवाणी का बोलना रविवार के क्रानून को चिह्नित करता है। 7 अक्टूबर, 2023 को गधे ने फिर प्रहार किया, परन्तु आध्यात्मिक आधुनिक महिमामय देश पर नहीं। उसने शाब्दिक प्राचीन महिमामय देश पर प्रहार किया, और अब बिलआम और उसका गधा अपनी दूसरी मुठभेड़ में थे।

परन्तु यहोवा का दूत दाख-बारियों के एक पथ में खड़ा था; एक ओर दीवार थी और दूसरी ओर भी दीवार। और जब गदही ने यहोवा के दूत को देखा, तब वह दीवार से आ सटी और उसने दीवार से बिलआम का पाँव कुचल दिया; तब बिलआम ने उसे फिर मारा। गिनती 22:24, 25.

प्राचीन इस्राएल की दाख की बारी, लाओदीकियाई सातवें-दिन के ऐडवेंटवाद की दाख की बारी का दर्शन कराती है। वे दोनों ही वाचा-जन हैं, जिन्हें परमेश्वर की व्यवस्था के अभिरक्षक होने का उत्तरदायित्व सौंपा गया था; यह व्यवस्था "दीवार" के रूप में प्रतीकित है, और दाख की बारी का निर्माण करने वाले तत्त्वों में से एक है।

मेरी दाख की बारी के लिये और क्या कुछ किया जा सकता था जो मैं ने उसमें न किया? फिर जब मैं ने यह आशा की कि वह अंगूर उपजाएगी, उसने जंगली अंगूर क्यों उपजाए? और अब आओ; मैं तुम्हें बताऊँगा कि मैं अपनी दाख की बारी के साथ क्या करूँगा: मैं उसकी बाड़ हटा दूँगा, और वह चरा दी जाएगी; मैं उसकी दीवार ढहा दूँगा, और वह रौंदी जाएगी। यशायाह 5:4, 5.

प्राचीन शाब्दिक इस्राएल और आधुनिक आत्मिक इस्राएल, दोनों ने विद्रोह किया और अपने पवित्र दायित्वों को ठुकरा दिया। 9/11 से लेकर रविवार के क्रानून तक एक भविष्यसूचक विषय को एक "दीवार" द्वारा निरूपित किया गया है। यह भविष्यसूचक विषय संयुक्त राज्य अमेरिका के संविधान के भीतर कलीसिया और राज्य के पृथक्करण की

“दीवार” के विनाश का है। 9/11 पर बुश ने पैट्रियट एक्ट लागू किया, जो संविधान को उलट देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम था; क्योंकि वहीं वह दर्शन-प्रणाली, जो संविधान का मार्गदर्शन करती थी, उलट दी गई, जब रोमी कानून के वे सिद्धांत—जो यह प्रतिपादित करते हैं कि व्यक्ति तब तक दोषी है जब तक वह निर्दोष सिद्ध न हो—अंग्रेज़ी कानून के उस सिद्धांत से ऊपर स्वीकार कर लिए गए, जो यह प्रतिपादित करता है कि व्यक्ति तब तक निर्दोष है जब तक वह दोषी सिद्ध न हो।

9/11 से लेकर रविवार-विधान तक की अवधि में 'दीवारों' के संबंध में भविष्यसूचक संदर्भ निहित हैं। बिलआम के गदहे के समान 'दीवारों' से टकराता हुआ इस्लाम यह इंगित करता है कि इसी इस्लाम का मुद्दा वह भ्रांत तर्क उपलब्ध कराएगा जिसके द्वारा संविधान के अंतर्निहित सिद्धांत उलट दिए जाएंगे। इस भविष्यसूचक अर्थ में, बाइबिल का एक मिथ्या भविष्यद्वक्ता होने के नाते इस्लाम 'पशु की प्रतिमा' के परीक्षण-काल में संयुक्त राज्य को धोखा देता है; जैसे संयुक्त राज्य का मिथ्या भविष्यद्वक्ता, विश्व की 'पशु की प्रतिमा' के परीक्षण-काल में, समस्त संसार को धोखा देता है।

7 अक्टूबर, 2023 को इस्लाम का गधा प्राचीन, शाब्दिक, महिमामय भूमि पर आक्रमण किया; और जब गधे को मध्यरात्रि की पुकार की घोषणा से पूर्व छोड़ दिया जाएगा, तब इस्लाम संयुक्त राज्य अमेरिका—आधुनिक, आध्यात्मिक, महिमामय भूमि—पर वैसा ही फिर से प्रहार करेगा जैसा उसने 9/11 को किया था। दूसरी बार जब बिलाम गधे को मारता है, यह दूसरा स्वर्गदूत है; और दूसरा स्वर्गदूत सदैव द्विगुणन उत्पन्न करता है, जैसा कि 'दाख की बारियों का एक पथ'—दो दीवारों से युक्त—द्वारा निरूपित है।

और प्रभु का दूत आगे बढ़ा, और एक संकरे स्थान में खड़ा हो गया, जहाँ न दाहिनी ओर मुड़ने का कोई मार्ग था, न बाईं ओर। और जब गदही ने प्रभु के दूत को देखा, तो वह बिलआम के नीचे गिर पड़ी; तब बिलआम का क्रोध भड़क उठा, और उसने गदही को लाठी से मारा। तब प्रभु ने गदही का मुख खोल दिया, और उसने बिलआम से कहा, “मैंने तुझसे क्या किया है, कि तूने मुझे ये तीन बार मारा है?” गिनती 22:26-28.

जब हम बाईंसर्वे और तेईसर्वे पदों का सूक्ष्मता से विचार करते हैं, तो पाते हैं कि वास्तव में वही तेईसवाँ पद है जहाँ गधे पर पहली बार प्रहार किया गया है।

और क्योंकि वह गया था, इस कारण परमेश्वर का क्रोध भड़क उठा; और प्रभु का दूत उसके विरोधी के रूप में मार्ग में खड़ा हो गया। अब वह अपनी गधी पर सवार था, और उसके दो दास उसके साथ थे।

और गधी ने प्रभु के दूत को मार्ग में खड़ा देखा, और उसके हाथ में खींची हुई तलवार थी; तब गधी मार्ग से हटकर खेत में चली गई; और बिलाम ने उसे मार्ग पर लौटा देने के लिए पीटा। गिनती 22:22, 23.

झूठा भविष्यद्वक्ता बनने के अनुरोध को स्वीकार करने के कारण बिलाम पर परमेश्वर का क्रोध, मत्ती 22 के अंतिम पद में कुतर्क करने वाले यहूदियों के साथ अपने संवाद का समापन करने वाले मसीह के समांतर था। गिनती 22 का पद 23, मत्ती अध्याय 23 के अनुरूप है; और गिनती 22 के पद 24 और 25, मत्ती के अध्याय 24 और 25 के अनुरूप हैं। गिनती 22 के पद 26, 27 और 28, मत्ती के अध्याय 26, 27 और 28 के अनुरूप हैं।

मत्ती 23 पहला स्वर्गदूत है; 24 और 25 दूसरे स्वर्गदूत के अंतर्गत हैं; और 26, 27 तथा 28 तीसरे स्वर्गदूत के अंतर्गत हैं। गिनती 22 में, पद 23 पहला स्वर्गदूत है; पद 24 और 25 दूसरे स्वर्गदूत के अंतर्गत हैं; और पद 26, 27 तथा 28 तीसरे स्वर्गदूत के अंतर्गत हैं। मत्ती वाचा के लोगों—पुराने और नए—को संबोधित कर रहा है: गिनती संयुक्त राज्य अमेरिका में आरंभ होकर तत्पश्चात संसार भर में फैलने वाली रविवार की आराधना पर परमेश्वर की ताड़ना के साधन के रूप में इस्लाम की भूमिका की पहचान कर रही है। तीसरे प्रहार के बाद, जब गदही बोलती है, तब बिलाम को अभी-अभी जो घटित हुआ था उसका बोध होता है।

तब यहोवा ने बिलाम की आँखें खोल दीं, और उसने यहोवा के दूत को मार्ग में खड़ा देखा, और उसकी तलवार उसके हाथ में खिंची हुई थी; तब उसने सिर झुका लिया और मुँह के बल भूमि पर गिर पड़ा। और यहोवा के दूत ने उससे कहा, तूने अपनी गदही को तीन बार क्यों मारा? देख, मैं तेरे विरोध करने को निकला था, क्योंकि तेरा मार्ग मेरे सामने विकृत है; और उस गदही ने मुझे देखा, और तीन बार मुझ से हट गई; यदि वह मुझ से न हटती, तो निश्चय अब मैं तुझे मार डालता और उसे जीवित छोड़ देता। तब बिलाम ने यहोवा के दूत से कहा, मैंने पाप किया है; क्योंकि मुझे यह न मालूम था कि तू मेरे विरोध में मार्ग में खड़ा है; अब इसलिए, यदि यह तेरी दृष्टि में बुरा है, तो मैं लौट जाऊँगा। गिनती 22:31-34.

बिलाम झूठे भविष्यवक्ता का प्रतिनिधित्व करता है; वह संयुक्त राज्य अमेरिका है, जो रविवार के कानून के समय अजगर के समान बोलता है। रविवार के कानून के समय, जब वह प्रबुद्ध होता है, तब वह उन लोगों का प्रतिनिधित्व करता है जो अब भी बाबुल में हैं, जो तब रविवार के कानून के विषय के प्रति जागृत किए जाते हैं और बाबुल से बाहर बुलाए जाते हैं।

मिलर द्वारा अखमीरी रोटी के संदेश का पाँच-दिवसीय शिक्षण, फिर वह तीस-दिवसीय काल जिसमें मसीह अपने याजकों को शिक्षा देते हैं, जो "तीस" द्वारा निरूपित है, जो गधे के बन्धन के खोले जाने का तुरही-चेतावनी संदेश तक ले जाता है, जो ध्वज के ऊँचा उठाए जाने से पाँच दिन पूर्व होता है, जो दस कुँवारियों के दृष्टान्त के बन्द द्वार से पाँच दिन पूर्व होता है, जो पिन्तेकुस्तीय रविवार-कानून से पाँच दिन पूर्व होता है; और वही रविवार-कानून झोंपड़ियों के पर्व के सात-दिवसीय काल का आरम्भ कराता है, जो रविवार-कानून के संकट के दौरान अन्तिम वर्षा का पूर्ण उंडेला जाना है, क्योंकि उस अवधि की परीक्षा सातवें दिन के विषय में है।

संख्या पाँच कुँवारियों का प्रतीक है, चाहे वे बुद्धिमान हों या मूर्ख। संख्या तीस याजकों का प्रतीक है, जिनकी पहचान लैव्यव्यवस्था नाम से होती है। संख्या सात सब्त है। लैव्यव्यवस्था तेईस याजकों, मलाकी तीन के लेवियों, बुद्धिमान कुँवारियों, और सब्त की परीक्षा के समय के एक लाख चवालीस हज़ार का इतिहास चित्रित करती है।

हम इन बातों को अगले लेख में जारी रखेंगे।